

राज्यपाल ने बिहार नगरपालिका संशोधन अध्यादेश को मंजूरी दी

चर्चा में क्यों?

13 जनवरी, 2022 को बिहार के राज्यपाल फागू चौहान ने बिहार नगरपालिका (संशोधन) अध्यादेश, 2022 को मंजूरी दे दी अध्यादेश अधिसूचि कर नगर नकियों में महापौर-उपमहापौर या अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के नरिवाचन की नई प्रणाली लागू की गई है।

प्रमुख बदि

- बिहार सरकार ने नगरपालिका अध्यादेश में संशोधन करते हुए प्रावधान कया है क बिहार के प्रत्येक शहर की सरकार के प्रमुख एवं उप प्रमुख वहाँ के नगर नकिया की सीमा में रहने वाले मतदाताओं के वोट से नरिवाचति होंगे।
- बिहार के सभी 19 नगर नगिमों के महापौर-उपमहापौर तथा 89 परषिदों और 155 नगर पंचायतों के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के नरिवाचन के लयि इस प्रणाली को लागू कया गया है।
- बिहार नगरपालिका (संशोधन) अध्यादेश, 2022 की गजट अधिसूचना जारी होने के साथ ही नगर नकियों में महापौर-उपमहापौर या अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के नरिवाचन की पुरानी प्रणाली समाप्त हो गई है।
- उल्लेखनीय है क अब तक नगर नकियों में महापौर-उपमहापौर वार्ड पार्षदों के बीच से ही चुने जाते थे। वार्ड पार्षदों के बहुमत से ही उन्हें हटाए जाने की व्यवस्था थी, लेकनि अब इन पदों पर बैठे व्यक्तों की मृत्यु, पदत्याग या बर्खास्तगी की स्थिति में बची हुई अवधि के लयि जनता के बीच से नरिवाचति व्यक्त ही इन पदों को ग्रहण करेंगे।
- वार्ड पार्षद महापौर-उपमहापौर या अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के खलिाफ अवशिास प्रस्ताव लाकर उन्हें बहुमत के आधार पर पद से हटा भी नहीं सकेंगे।
- राज्य सरकार वधानसभा के अगले सत्र में बिहार नगरपालिका (संशोधन) अध्यादेश, 2022 को बिहार नगरपालिका (संशोधन) वधियक के रूप में पेश करेगी, जो पारति होने के बाद बिहार नगरपालिका (संशोधन) अधिनियम, 2022 कहा जाएगा।
- नगर नकियों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चयन जनता के प्रत्यक्ष नरिवाचन की रीति से कराने के लयि बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 की धारा 23 और धारा 25 में संशोधन कया गया है। दोनों धाराओं में महापौर-उपमहापौर या अध्यक्ष-उपाध्यक्ष को मुख्य पार्षद और उप मुख्य पार्षद के पदनाम से सूचति कया गया है।
- धारा 23 की तीन उपधाराओं के माध्यम से मुख्य पार्षद और उपमुख्य पार्षद के आम नरिवाचन तथा वैकल्पिक परस्थितियों में नरिवाचन की व्यवस्था दी गई है। इसी तरह धारा 25 की तीन उपधाराओं में संशोधन के माध्यम से दोनों पदों से बर्खास्तगी या पदत्याग की व्यवस्था दी गई है।
- ज्ञातव्य है क बिहार में सभी 263 नगर नकियों के चुनाव अप्रैल से जून के बीच प्रस्तावति हैं।
- शहरी नकिया के जनप्रतनिधियों को प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा चुने जाने से जनता के प्रत उनकी जवाबदेही सुनिश्चति होगी एवं शहरों के विकास हेतु चलाई जा रही महत्तवाकांक्षी योजना और परयोजनाओं में गति आएगी।